

केवल अनुपस्थित परीक्षार्थियों के लिए : केवल 'बारकोड' अंकित यही एकमात्र पृष्ठ नीचे दी गई रेखा से काटकर पत्रक - A तथा पत्रक - B के साथ वापस भेजना है ।

सत्संग शिक्षण परीक्षा

बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था, शाहीबाग, अहमदाबाद - ३८०००४.

सत्संग परिचय - २

रविवार, १५ जुलाई, २०१२

समय : दोपहर २.०० से ४.१५

कुल गुण : ७५



अनुपस्थित परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका का केवल यही पृष्ठ वापस भेजना है ।

☞ परीक्षार्थी के नाम सम्बंधित विवरण के साथ 'बारकोड' अंकित किया गया है । कृपया उस पर किसी प्रकार का नुकसान मत किजिए ।

अनिवार्य : निम्न लिखित सूचना की परीक्षार्थी को अपने आप पूर्ति करनी है

परीक्षार्थी का जन्म दिन दिनांक महिना वर्ष

परीक्षार्थी का अभ्यास

परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका पर अंकित नाम सहित अनिवार्य विवरण की सत्यता की जाँच करने के पश्चात् वर्ग निरीक्षक हस्ताक्षर करें ।

वर्ग निरीक्षक के हस्ताक्षर

☞ पीछे दी गई सूचनाओं का अवश्य पालन करें ।

परीक्षक के हस्ताक्षर

.....

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	१ (९)	
	२ (६)	
	३ (५)	
	४ (५)	
	५ (५)	
	६ (८)	

विभाग-१, कुल गुण (३८)

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	७ (९)	
	८ (६)	
	९ (५)	
	१० (५)	
	११ (६)	
	१२ (६)	

विभाग-२, कुल गुण (३७)

मोडरेशन विभाग माटे ५

गुण शब्दोंमां
चेकर - नाम

परीक्षार्थीओं को महत्वपूर्ण सूचनाएँ :-

१. आगे के मुख्य पृष्ठ पर परीक्षार्थी के नाम सम्बंधित विवरण के साथ बारकोड अंकित किया गया है । कृपया उस पर किसी प्रकार का नुकसान मत किजिए ।
२. परीक्षार्थी को स्पष्ट और सुंदर अक्षर से आगे के पन्ने में मांगी हुई विवरण को लिखना अनिवार्य है ।
३. आप उत्तर पुस्तिका (जवाबवही) में कही भी, किसी भी जगह पर अपना नाम मत लिखें ।
४. मुख्य परीक्षा के दिन वर्गखंड में उपस्थित प्रत्येक परीक्षार्थी वर्ग निरीक्षक से अपनी नामयुक्त उत्तर पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर वर्ग निरीक्षक के हस्ताक्षर करा लें ।
५. बिना वर्ग निरीक्षक के हस्ताक्षर की उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी ।
६. प्रश्न के गुण →

गुण : १	
---------	--

 ← परीक्षक को प्रश्न जाँचकर गुण लिखने की जगह
७. परीक्षार्थी केवल ब्लू या केवल काली स्याही वाली पेन से ही उत्तर पुस्तिका में उत्तर लिखे । पेन्सिल से अथवा लाल, हरी या अन्य स्याही से लिखे गए उत्तर या एक से ज्यादा स्याही से लिखि गई उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी ।
८. सूचनानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए । अस्पष्ट उत्तर अमान्य होंगे ।
९. परीक्षा खंड के बाहर और अन्य सभी परीक्षार्थीओं से अलग या परीक्षा के नियमों का उल्लंघन कर के दी गई परीक्षा मान्य नहीं होगी ।
१०. परीक्षा कार्यालय, अहमदाबाद की पूर्व मंजूरी बिना मूल परीक्षार्थी के बदले 'लेखाकार' या 'सबस्टीट्यूट राईटर' एवं 'दूसरे व्यक्ति' द्वारा लिखी गई परीक्षा की उत्तरवही रद्द गीनी जाएगी । एक से ज्यादा प्रकार के अक्षरों की लिखावट रद्द मानी जाएगी ।
११. मुख्य परीक्षा के दिन उत्तरवही के इलावा अतिरिक्त पन्नों में लिखे हुए उत्तर मान्य नहीं होंगे ।

Important Instructions For Satsang Exam Students

1. Please do not damage in any way the bar code printed on the front page.
2. Please write clearly and legibly.
3. Do not write your name on the answer book.
4. On the day of the Final Satsang Examinations, all examinees should obtain the signature of the class supervisor on the answer sheet bearing their own personal details only.
5. Answer books without the signature of the Class Supervisor will **not** be considered **valid**.
6. Marks for Question →

1 Mark	
--------	--

 ← Space for Examiner to write marks
7. Write your answers with either a blue or black pen only. Answers written in pencil, or with a red, green or any other coloured pen will not be considered valid. Answers written in more than one coloured ink will not be considered valid.
8. Follow the instructions while answering. Answers crossed out will not be considered valid.
9. Examinations taken at **unauthorized locations** or in which the exam rules have been violated will not be considered valid.
10. Without the prior permission of the Pariksha Karyalay in Ahmedabad, answer papers written by substitute writers in place of the original candidate will not be accepted. Answer papers with more than one type of handwriting will not be accepted.
11. In Main Exam answers written on extra pages will not be considered valid.

विभाग - १ : किशोर सत्संग परिचय

प्र. १ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । (कुल गुण : ९)

१. “जब तक हम उनका सिर धड़ से अलग नहीं कर देते, अन्न को हाथ भी नहीं लगाएँगे ।”

कौन कहता है ? किसको कहता है ?

कब कहता है ?

.....

गुण : ३	
---------	--

२. “‘समलोष्टाश्मकाश्चनः’ उनके लिए लड़की, सोना, पत्थर सब समान हैं ।”

कौन कहता है ? किसको कहता है ?

कब कहता है ?

.....

गुण : ३	
---------	--

३. “बंदेर तक उछालकर नीचे पटका, परंतु मुझे चोंट क्यों नहीं लगी ?”

कौन कहता है ? किसको कहता है ?

कब कहता है ?

.....

गुण : ३	
---------	--

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक 

--

 केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. २ निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए । (दो से तीन पंक्ति में) (कुल गुण : ६)

१. राजाने अरदेशर को बुलाया और मानपूर्वक सूबेदारी सोंपी ।

.....

.....

.....

.....

.....

गुण : २	
---------	--

२. कडवीबाई ने अपने सौहागरूपी चूडियों को तोड़ डाला ।

.....

.....

.....

.....

.....

गुण : २	
---------	--

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. ४ निम्नलिखित पश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । (कुल गुण : ५)

१. शिक्षापत्री में श्रीजीमहाराज ने कौन से छः प्रकार के व्यक्तियों का संग न करने को कहा है ?

गुण : १

२. आकाशवाणी सुनकर शिवराम ने क्या कहा ?

गुण : १

३. चैतन्य महाप्रभु ने कुसंग के बारे में क्या कहा ?

गुण : १

४. कौन से तीन ग्रंथों में श्रीजीमहाराज ने गृहस्थ हरिभक्तों तथा त्यागियों-साधुओं के लिए नियम लिखें है ?

गुण : १

५. श्रीजीमहाराज की कृपादृष्टि के कारण विष्णुदास ने कैसी स्थिति प्राप्त की ?

गुण : १

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. ५ "कल्याण के लिए....." - 'स्वामी की बात' पूर्ण कीजिए और इसके बारे में निरूपण लिखिए । (कुल गुण : ५)

विभाग - २ : प्रागजी भक्त

प्र. ७ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । (कुल गुण : ९)

१. “खूब प्रसन्नता बरसायी ?”

कौन कहता है ? किसको कहता है ?

कब कहता है ?

.....

गुण : ३	
---------	--

२. “इसकी जड़े तो पाताल तक चली गई हैं ।”

कौन कहता है ? किसको कहता है ?

कब कहता है ?

.....

गुण : ३	
---------	--

३. “ऐसा कूर्ता सी सकता हूँ जो तुम्हारे अंतर को ढक ले ।”

कौन कहता है ? किसको कहता है ?

कब कहता है ?

.....

गुण : ३	
---------	--

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक **३** **३** केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. ८ निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए । (दो से तीन पंक्ति में) (कुल गुण : ६)

१. प्रागजी भक्त के सारे शरीर पर फफोले पड़ गए थे ।

.....
.....
.....

.....

गुण : २	
---------	--

२. विट्टलभाई ने हनुमानजी पर तेल चढ़ाया पर उनकी पुत्रवधू ठीक नहीं हुई ।

.....
.....
.....

.....

गुण : २	
---------	--

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	गुण : प्र-८	प्र-९
----------------------------------	-------------	-------

३. गुणातीतानंद स्वामी ने प्रागजी भक्त को घर का त्याग करने को कहा ।

.....

.....

.....

गुण : २	
---------	--

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. ९ 'निष्कासन वापस लिया ।' - प्रसंग के बारे में १५ पंक्ति में टिप्पणी लिखिए । (वर्णनात्मक) (कुल गुण : ५)

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र.१० निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । (कुल गुण : ५)

१. भगतजी महाराज कब अंतर्धान हुए ? (तिथि, साल)

गुण : १

२. भगतजी महाराज कौन से दो टाँके तोड़ते और कौन से दो टाँके लगाते ?

गुण : १

३. भगतजी महाराज के मत अनुसार सच्चा ज्ञान किसे कहते हैं ?

गुण : १

४. भगतजी महाराज अहमदाबाद पधारे तब मंदिर के आचार्यपद पर कौन थे ?

गुण : १

५. मोतीलालभाई को स्वप्न में श्रीजीमहाराजने दर्शन देकर क्या कहा ?

गुण : १

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र.११ निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) का निशान करें ।
(कुल गुण : ६)

सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं । सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा ।

१. जूनागढ़ में अपूर्व सम्मान ।

गुण : २

(१) संत उसे दण्डवत् करें, ऐसा क्यों है ? (२) जलझीलणी महोत्सव में ।

(३) संत उसकी पूजा करें, ऐसा क्यों है ? (४) चारों थनों का अमृत पी लिया ।

२. वांसदा के दीवान के साथ सत्संग ।

गुण : २

(१) अमीन झवेरभाई नानाभाई ।

(२) धर्म ज्ञान का आधार हैं ।

(३) देह के नाते से बारह नियमों का पालन करे ।

(४) इन्द्रियाँ एवं मनोविकार जैसे शत्रु रहने पर हम सुख से कैसे सो सकते हैं ?

३. भगतजी का मनमोहक व्यक्तित्व ।

गुण : २

(१) विज्ञानदासजी छपिया में अक्षरधाम निवासी हो गए । (२) भक्त का पक्ष भी लेना चाहिए ।

(३) विज्ञानदासजी अयोध्या में अक्षरधाम निवासी हो गए । (४) गणपतभाई महुवा के लिए रेल्वे में चले ।

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र.१२ निम्नलिखित गलत वाक्य को उसके विषय के अनुलक्ष्य में सही लिखिए । (कुल गुण : ६)

सूचना :- संपूर्ण वाक्य सही लिखा होगा तो ही गुण प्राप्त होंगे, अन्यथा एक भी गुण प्राप्त नहीं होगा ।

१. भगतजी के संत कठिनाई में : विज्ञानानंद, महापुरुषदासजी और अन्य दूसरे संत सौराष्ट्र के विचरण से लौटकर महुवा आए । प्रारंभ में तो भगतजी ने उनकी पूजा की, जलपान करवाया । किन्तु बाद में गाँव के मन्दिर में संतों के रहने की व्यवस्था करवा दी ।

उ.

गुण : १

२. अब मैं प्रागजी द्वारा प्रगट रहूँगा : खेत के कुछ काम शामजीभगत को सौंप दिए और कुछ अन्य प्रिय संतों को काम सौंप कर फिर देश में विचरण के लिए मन्दिर से निकले । खेंगारवाव जाने वाले द्वार की ओर आए, कुछ देर वहाँ खडे रहे ।

उ.

गुण : १

३. जूनागढ़ में अपूर्व सम्मान : यदी पूर्ण ज्ञान आ जाए तो ममत्व-ग्रन्थि खुल जाती है । वैराग्य से संशय की ग्रन्थि खुल जाती है । धर्मनिष्ठा से अहं की ग्रन्थि खुल जाती है और पूर्ण आत्मनिष्ठा जीवन में आ जाए तो काम-ग्रन्थि या हृदय-ग्रन्थि खुल जाति है ।

उ.

गुण : १

४. अक्षर के ज्ञान का उद्धोष : अपने मूल अनादि ज्ञान की झाँकी दी । सारा कमरा मुक्तों से भर गया । फिर वह तेज संकुचित होता हुआ स्वामी में समा गया । कोठारी त्रिकमदास को स्वामी के मूल अक्षरब्रह्म होने का विश्वास हो गया ।

उ.

गुण : १

५. अड़सठ तीर्थ सद्गुरु चरणों में : मंदिर निर्माण का काम चल ही रहा था । धर्मशाला के बाहर पत्थर की कुछ शिलाएँ पड़ी हुई थीं । एक शिला पर मरा हुआ एक पशु पड़ा था । लोगों ने सोचा कि प्रागजी आएगा और मृत कुत्ते को उठाएगा ।

उ.

गुण : १

६. सत्संग सुख : यहाँ वे योगीजी महाराज के दर्शन नहीं कर पाते थे, अतः युवकों ने उपवास करना आरम्भ कर दिया । उपवास के चौथे दिन योगीजी महाराज वहाँ पहुँच गए और सभी को दिव्य शान्ति का अनुभव हुआ । योगीजी महाराज ने उन्हें भोजन करवाया ।

उ.

गुण : १

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें